सामाजिक संस्था सम्पूर्णा
समग्र विकास की ओर अग्रसर
गैर सरकारी संगठन

आलेख

नन्हा मुन्हा राही हूं, देश का सिपाही हूं.....अग्निवीर

–डॉ. शोभा विजेन्द्र
संस्थापिका, सम्पूर्णा

आजादी के 75वें वर्ष में जब हम अमृत महोत्सव मना रहे हैं, दश के कुछ हिस्सों से युवाओं द्वारा पत्थर फेंकने और देश को गाली देने की तस्वीरें, मन को भारी कर देती हैं। इस पर तुर्रा ये कि युवाओं के पास कोई काम धंधा नहीं है। क्या काम का न होना किसी भी नव युवक को राष्ट्र विरोधी गतिविधियों में शामिल होने का लाइसेंस दे देता है? यह तर्क संगत नहीं है। कुछ मुट्ठीभर विषैले सांप जो पैसे के लिए अपनी अस्मिता को ताक पर रख कर राष्ट्र विरोधी एजेंडा चलाते हैं, ऐसे लोगों को अवश्य ही जवाब मिलना चाहिए। हमेशा से ही मन में यह बात कौंधती रहती थी कि क्यों नहीं हम अपने युवाओं को प्रारंभ से ही राष्ट्र भक्त बनाते हैं? हमारा पाठ्यक्रम, राष्ट्र संस्कृति, विचार और राष्ट्र भक्ति से ओतप्रोत होना चाहिए। तभी माननीय प्रधानमंत्री, श्री नरेन्द्र मोदी जी ने अग्निपथ योजना की घोषणा कर दी। अग्निपथ, अग्निपथ, अग्निपथ.....

यह अग्निपथ देश के रक्षा क्षेत्र की तस्वीर बदल देगा। दश में स्वस्थ युवाओं और सार्थक सोच का समन्वय होगा। यह केंद्रीय योजना चार वर्षों के लिए है। 18 से 22 वर्ष तक के आयु वर्ग के बच्चों के लिए यह देश सेवा का अभूतपूर्व अवसर है। सभी अग्निवीरों की नियुक्ति अग्निपथ योजना के माध्यम से होगी। युवा साथियों, अब समय आ गया है कि आप आगे बढ़कर देश की सुरक्षा व्यवस्था को अग्निवीर बनकर थाम लें। चार वर्षों का यह कार्यकाल, आपके जीवन को अवश्य ही प्रकाशमय कर देगा। युवा शक्ति के योगदान से देश की रक्षा शक्ति को और अधिक मजबूतो मिलेगी। हमारे प्रधानमंत्री और रक्षा मंत्री द्वारा उठाया गया यह ऐतिहासिक कदम है।

यदि आपका भारीर हष्ट–पु"ट है, मजबूत इरादे हैं और देश की रक्षा करने की अदम्य शक्ति और साहस हैं तो देर न करें तुरंत अग्निपथ योजना के अंतर्गत अग्निवीर बन जाएं। चार वर्षों तक देश की आतंरिक और बाह्य सुरक्षा में अपने आपको समर्पित कर एक सुयोग्य नागरिक बनें। सच में यह तो अभूतपूर्व है। जबसे देश में मोदी जी की सरकार आयी है तभी से दूरदराज में बैठे हर गरीब व्यक्ति की आवाज, देश की आवाज बन गई है। पंडित दीनदयाल जी की अमिट संकल्पना

– अंतिम पंक्ति में खड़े व्यक्ति के विकास से ही राष्ट्र का विकास संभव है, चरित्रार्थ हो रही ह। मुस्कुराते हुए नव युवक जब देश की रक्षा को आगे आएंगे, तब अवश्य ही देश का विकास होगा। हम तो कभी यह सोच भी नहीं सकते थे कि भारत दश में राष्ट्र प्रेम, राष्ट्र अराधना केवल गीत न रहकर योजनाबद्ध तरीके से युवाओं के जीवन में एक महत्वपूर्ण स्थान लेंगे। हमारे बालक राष्ट्र दूत बनकर राष्ट्र की रक्षा के लिए मजबूत स्तंभ बनंगे। मेरा सभी माताओं से अनुरोध है कि अपने बच्चों के हाथों में राष्ट्र पताका दें। हर हिन्दुस्तानी मां अपने बच्चे के साथ यह गीत..... नन्हा मुन्हा राही हूं, दश का सिपाही हूं, बोलो मेरे संग जय हिन्द, को अवश्य गुनगुनातो है। आइए! अपने युवा पुत्र के साथ पुनः इस गीत को गाएं और उसे अग्निवीर बनाएं।

.....